

## स्मारक मतिर योजना

### प्रलिमिंस के लिये:

स्मारक मतिर योजना, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, एडॉप्ट ए हेरिटिज, भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI), इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटिज (INTACH), नेशनल मशिन ऑन मॉन्यूमेंट्स एंड एंटीक्विटीज (NMMA), 2007, प्रोजेक्ट मौसम ।

### मेन्स के लिये:

वरिसत का महत्त्व, भारत में वरिसत प्रबंधन से संबंधित मुद्दे, वरिसत प्रबंधन संबंधी सरकारी पहल ।

## चर्चा में क्यों?

नजी कंपनियों जल्द ही [स्मारक मतिर योजना](#) के तहत 1,000 स्मारकों के रखरखाव के लिये [भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण](#) के साथ साझेदारी करने में सक्षम होंगी, जिसमें [वरिसत स्थलों को अपनाना और उनका रखरखाव करना](#) शामिल है ।

- संशोधित योजना [कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व](#) मॉडल पर आधारित होगी और सभी वरिसत स्थलों के नाम वाली एक नई वेबसाइट भी लॉन्च की जाएगी ।

## स्मारक मतिर योजना:

- स्मारक मतिर' शब्द '[एडॉप्ट ए हेरिटिज](#)' परियोजना के तहत सरकार के साथ भागीदारी करने वाली इकाई को संदर्भित करता है ।
  - इसे पहले [पर्यटन मंत्रालय](#) के तहत लॉन्च किया गया था और फरि इसे [संस्कृत मंत्रालय में स्थानांतरित कर दिया गया](#) ।
- इस परियोजना का उद्देश्य कॉर्पोरेट संस्थाओं, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों या व्यक्तियों को 'अपनाने' के लिये आमंत्रित करके पूरे भारत में [स्मारकों, वरिसत और पर्यटन स्थलों को विकसित करना](#) है ।

## वरिसत:

- परचिय:
  - [वरिसत](#) का मतलब उन इमारतों, कलाकृतियों, संरचनाओं, क्षेत्रों और परसिरो से है जो ऐतिहासिक, साँदर्यवादी, वास्तुशालिप, पारस्थितिकि या साँस्कृतिक महत्त्व के हैं ।
    - यह स्वीकार किया जाना चाहिये कि किसी वरिसत स्थल के आसपास का 'साँस्कृतिक परदृश्य' स्थल इसकी नरिमति वरिसत की व्याख्या के लिये महत्त्वपूर्ण है और इस प्रकार इसका एक अभिन्न अंग है ।
  - तीन प्रमुख अवधारणाएँ जिनके आधार पर यह निर्धारित करने पर वचिार किया जा सकता है कि किसी संपत्तिको वरिसत के रूप में सूचीबद्ध किया जा सकता है या नहीं:
    - ऐतिहासिक महत्त्व
    - ऐतिहासिक अखंडता
    - ऐतिहासिक संदर्भ
  - भारतीय वरिसत में पुरातात्विक स्थल, अवशेष, खंडहर शामिल हैं । देश में '[स्मारक और स्थलों](#)' के प्राथमिक संरक्षक, यानी [भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण \(ASI\)](#) और समकक्ष उनकी रक्षा करते हैं ।
- महत्त्व:
  - [भारतीय इतिहास के कहानीकार: वरिसत भौतिक और अमूर्त हैं](#) जो पीढ़ियों से चली आ रही हैं, संरक्षित हैं और नरितर आगे बढ़ रही हैं ।
    - वरिसत आध्यात्मिक, धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक महत्त्व के साथ भारतीय समाज के ताने-बाने में बुनी गई हैं ।
  - [वविधिता को अपनाना](#): भारत की वरिसत अपने आप में वभिन्नता, समुदायों, रीति-रिवाजों, परंपराओं, धर्मों, संस्कृतियों, वशिवासों, भाषाओं, जातियों एवं सामाजिक व्यवस्थाओं का संग्रहालय है ।
  - [आर्थिक योगदान](#): भारत में वरिसत स्थलों का अत्यधिक आर्थिक महत्त्व है ।

- ये स्थल हर साल लाखों पर्यटकों को आकर्षित करते हैं, जो आवास, परिवहन और स्मारक बिक्री जैसी पर्यटन संबंधी गतिविधियों के माध्यम से सरकार तथा स्थानीय समुदायों के लिये राजस्व उत्पन्न करते हैं।
- भारत में वरिष्ठत प्रबंधन से संबंधित मुद्दे:
  - वरिष्ठत स्थलों के लिये केंद्रीकृत डेटाबेस का अभाव: भारत में वरिष्ठत संरचना के राज्यवार वितरण के साथ एक पूरण राष्ट्रीय स्तर के डेटाबेस का अभाव है।
  - हालोँक 'इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कलचरल हेरिटेज' (INTACH) ने 150 शहरों में लगभग 60,000 इमारतों को सूचीबद्ध किया है, लेकिन यह मामूली प्रयास ही माना जा सकता है।
  - धरोहर स्थलों पर अतिक्रमण: कई प्राचीन स्मारकों का स्थानीय नविसियों, दुकानदारों और स्मारक विक्रेताओं द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है।
  - इन संरचनाओं और स्मारकों या आसपास की स्थापत्य शैली के बीच कोई सामंजस्य नहीं है।
  - दृष्टांत के लिये भारत के नयित्तरक और महालेखा परीक्षक (CAG) की 2013 की रिपोर्ट के अनुसार, ताजमहल परिसर खान-ए-आलम बाग के नकिट अतिक्रमण का शकिार पाया गया।
  - मानव संसाधन की कमी: स्मारकों की देखभाल और संरक्षण गतिविधियों के लिये कुशल एवं सक्षम मानव संसाधन की कमी ASI जैसी एजेंसियों के सामने सबसे बड़ी समस्या है।
- धरोहर संरक्षण से संबंधित सरकार की प्रमुख पहलें:
  - राष्ट्रीय स्मारक और पुरावशेष मशिन (National Mission on Monuments and Antiquities- NMMA), 2007
  - [प्रोजेक्ट मौसम](#)

## भारत में वरिष्ठत स्थलों को कैसे नया रूप दिया जा सकता है?

- 'स्मार्ट सटि, स्मार्ट हेरिटेज': सभी बड़ी अवसंरचना परयोजनाओं के लिये धरोहर प्रभाव आकलन (Heritage Impact Assessment) पर वचिार करना आवश्यक है।
  - धरोहर पहचान और संरक्षण परयोजनाओं (Heritage Identification and Conservation Projects) को शहर के मास्टर प्लान से जोड़ने तथा स्मार्ट सटि पहल के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता है।
- संलग्नता बढ़ाने के लिये अभनिव रणनीतियाँ: ऐसे स्मारक जो बड़ी संख्या में आगंतुकों को आकर्षित नहीं करते हैं और सांस्कृतिक/धार्मिक रूप से संवेदनशील नहीं हैं, सांस्कृतिक एवं वविाह कार्यक्रमों आदि के आयोजन स्थल के रूप में उपयोग किये जा सकते हैं, जो नमिनलखित दोहरे उद्देश्य की पूर्ता कर सकते हैं:
  - संबंधित अमूरत धरोहर का प्रचार।
  - ऐसे स्थलों पर आगंतुकों की संख्या को बढ़ाना।
- जलवायु कार्रवाई के साथ धरोहर संरक्षण को संबद्ध करना: धरोहर स्थल जलवायु संचार और शकिषा के अवसरों के रूप में कार्य कर सकते हैं। इसके साथ ही बदलती जलवायु स्थितियों के संबंध में पछिली प्रतिक्रियाओं को समझने के लिये ऐतहिसकिस्थलों एवं अभ्यासों पर शोध से अनुकूलन तथा शमन योजनाकारों को ऐसी रणनीतियाँ वकिसति करने में मदद मलि सकती है जो प्राकृतिक वज्जान और सांस्कृतिक वरिष्ठत को एकीकृत करती हैं।
  - उदाहरण के लिये [माजली](#) द्वीप के समुदायों जैसे- तटीय और नदीवासी समुदाय सदयियों से बदलते जल स्तर के साथ रह रहे हैं और इसके अनुकूल बन रहे हैं।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

**[?/?/?/?/?]:**

प्रश्न. भारतीय कला वरिष्ठत का संरक्षण समय की आवश्यकता है। चर्चा कीजयि। (2018)

प्रश्न. भारतीय दर्शन और परंपरा ने भारत में स्मारकों एवं उनकी कला की कल्पना तथा उन्हें आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभिाई। चर्चा कीजयि। (2020)

**[स्रोत: द हट्टि](#)**